नवसर्जन संस्कृति

RNI No.: UPHIN/25/A1698
NAVSARJAN SANSKRUTI

# नवसर्जन संस्कृति

लखनऊ से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 01
अंक : 189
दि. 10.11.2025,
सोमवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : VINOD KUMARI Regd. Office : B/13, Sneh Plaza Shopping Centre, I.O.C. Road, Chandkheda, Ahmedabad-382 424, Gujarat, India.

Phone : 76983 33307 (M) 84859 51747, 70963 33307 ● Email : navsarjansanskruti2016@gmail.com ● Email : navsarjansanskruti2016@yahoo.com ● Website : www.navsarjansanskruti.com


## परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया: योगी आदित्यनाथ

(जीएनएस)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिहार के चुनावी रण में कांग्रेस व राजद पर खूब बरसे। उन्होंने कहा कि परिवारवादी व्यवस्था ने बिहार में जाति-जाति को लड़ाकर अराजकता व गुंडागर्दी का तांडव किया और बिहार के नौजवानों के सामने पहचान का संकट खड़ा कर दिया। नागरिकों व गरीबों को भूखों मरने के लिए छोड़ दिया गया। सरकार के खजाने में लूट मच गई थी। बड़ी-बड़ी घोषणाओं के साथ राजद व कांग्रेस का महागठबंधन सिर्फ धोखा देने आया है। जो आपकी जमीन हड़प गए, वे नौकरी क्या देंगे। पशुओं का चारा खाने वाले विकास की बड़ी-बड़ी घोषणाएं कर रहे हैं, लेकिन विकास, गरीब कल्याण व आस्था का सम्मान इनके एजेंडे में कभी नहीं था। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को छातापुर के लक्ष्मी रघुनाथ सिंह उच्च विद्यालय, भीमपुर में चुनावी जनसभा की। उन्होंने जनसैलाब से विधायक व छातापुर से भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिंह 'बब्लू' को जिताने की अपील की।

कांग्रेस व राजद के पाप के कारण लोग बिहार को जंगलराज के रूप में जानने लग गए थे

सीएम ने बिहार को भक्ति, शक्ति व ज्ञान की धरा बताया, फिर कहा कि बिहार का इतिहास गौरवशाली है। यह स्वर्णयुग लाने वाली धरा है, लेकिन कांग्रेस व राजद के पाप के कारण लोग बिहार को जंगलराज के रूप में जानने लग गए थे। जिस बिहार ने नालंदा विश्वविद्यालय देकर दुनिया को ज्ञानवान बनाया, वहां इन दोनों के शासनकाल में बिहार साक्षरता में सबसे नीचे चला गया था। यहां उमड़े जनसैलाब को देख सीएम ने कहा कि 14 नवंबर को जब ईवीएम खुलेंगे तो पूरे बिहार में 'फिर एक बार एनडीए सरकार' का शंखनाद होगा।

बिहार में एक परिवार की बपौती बनाकर जंगलराज व लूट-खसोट किया गया था

सीएम योगी ने मतदाताओं से कहा कि खानदानी लुटेरे झूठा आश्वासन देने आए हैं। यह खानदानी माफिया का समर्थन कर रहे हैं। योगी ने अपील की कि खानदानी माफिया को सत्ता में लाकर बिहार में फिर से जंगलराज नहीं लाने देना है। हमने यूपी में विकास से पहले सुरक्षा दी, तब बीमारू राज्य से उबर पाए। यूपी में सुरक्षा में सेंध लगाने वालों के लिए यमराज का टिकट पक्का कर दिया जाता है। यूपी में जब बुलडोजर चलता है तो सड़कें अच्छी बनती हैं, विकास की गति बढ़ती है, लेकिन माफिया की हड्डी-पसली एक हो जाती है। कोई दंगा-अराजकता फैलाने, धमकी देने का दुस्साहस नहीं कर सकता है।

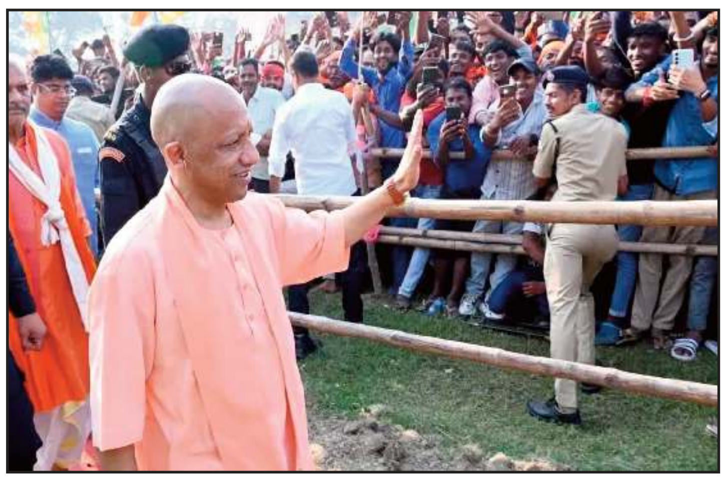

राजद के समय बिहार में 30 हजार से अधिक अपहरण हुए। व्यापारी, डॉक्टर, इंजीनियर, बेटी, बच्चे कोई भी सुरक्षित नहीं था। इन लोगों ने जंगलराज लाकर एक परिवार की बपौती बनाकर लूट-खसोट किया था।

बिहार के नौजवानों को अवसर मिला तो उसने दुनिया में छाप छोड़ने में कोई कोताही नहीं की

सीएम योगी ने कहा कि पिछले 20 वर्ष में बिहार में सुशासन की नींव स्थापित हुई। आज बिहार में हर सुविधाएं हैं। बिहार का युवा सिविल सर्वेंट बनकर देश में सेवाएं दे रहा। वह मल्टीनेशनल कंपनियों में जाकर और स्वयं का स्टार्टअप स्थापित करते हुए उद्यमी के रूप में नई पहचान बना रहा है। सुशासन की सरकार ने बिहार के नौजवान को प्लेटफॉर्म दिया और यहां के नौजवानों को अवसर मिला तो उसने दुनिया में छाप छोड़ने में कोई कोताही नहीं की। विकास व समृद्धि की यह धारा अनवरत बढ़ती रहनी चाहिए। 1990 से 2005 के बीच राजद-कांग्रेस ने तांडव किया था। यूपी में इनके पार्टनर भी हर तीसरे दिन दंगे करवाते थे। गुंडागर्दी चरम पर थी, बेटी-व्यापारी सुरक्षित नहीं थे।

कांग्रेस ने भारत, संतों व आम जनमानस का किया अपमान

सीएम योगी ने कहा कि यूपी में भव्य राम मंदिर का निर्माण हो गया तो एनडीए सरकार सीतामढ़ी में मां जानकी का भी भव्य मंदिर बनवा रही है। 6155 करोड़ से अयोध्या से सीतामढ़ी को जोड़ने के लिए रामजानकी मार्ग भी बन रहा है। यह कार्य राजद-कांग्रेस नहीं कर पाती। कांग्रेस ने भारत, संतों व आम जनमानस का अपमान किया। यह कहते थे कि राम-कृष्ण हुए ही नहीं। सीएम ने केंद्र सरकार की योजनाओं को भी गिनाया और कहा कि यहां का नौजवान, किसान व हर नागरिक सुशासन की सुदृढ़ नींव पर समृद्ध व विकसित बिहार बनाने के लिए आगे बढ़ना चाहता है। योगी ने बिहार को समृद्ध बनाने के लिए एनडीए को वोट देने की अपील की।

जनसभा में पूर्व केंद्रीय मंत्री व सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, पूर्व केंद्रीय मंत्री व विधान पार्षद शाहनवाज हुसैन, उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से विधायक सिद्धार्थ नाथ सिंह, पूर्व सांसद विश्व मोहन कुमार,

## संक्षिप्त समाचार

### भारत में आईआईएस की साजिश नाकाम! गुजरात में एटीएस के हत्थे चढ़े 3 आतंकी

गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ता (ATS) को एक बड़ी सफलता मिली है। एक संयुक्त ऑपरेशन में ISIS से जुड़े तीन आतंकवादियों को गिरफ्तार

किया गया है, जो एक साल से अधिक समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर थे।

### देश से गद्दारी की सजा! जम्मू-कश्मीर में आतंक से लिंक पर दो एसपीओ बर्खास्त, खुफिया रिपोर्ट ने खोला राज

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों से कथित साठगांठ रखने वाले

पुलिसकर्मियों पर बड़ी कार्रवाई की गई है। अधिकारियों ने रविवार (9 नवंबर, 2025) को बताया कि कठुआ ज़िले में आतंकवादियों से जुड़े होने के गंभीर आरोपों के बाद, दो विशेष पुलिस अधिकारियों (SPOs) को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। एसएसपी कठुआ, मोहिता शर्मा के आदेश पर, अब्दुल लतीफ और मोहम्मद अब्बास नामक इन दोनों SPO को तत्काल प्रभाव से हटा दिया गया है।

## एमसीडी उपचुनाव में आम आदमी पार्टी ने की एंट्री, जारी की उम्मीदवार सूची, कौन से नाम लिस्ट में?

(जीएनएस)।

दिल्ली की सियासत एक बार फिर गरमाने वाली है, क्योंकि नगर निगम (MCD) के 12 वार्डों में होने वाले उपचुनाव के लिए आम आदमी पार्टी (AAP) ने अपने उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी है। ये चुनाव राजधानी के लिए सिर्फ सीटों की लड़ाई नहीं, बल्कि राजनीतिक प्रतिष्ठा की जंग माने जा रहे हैं।

जहां भाजपा अपने मजबूत गढ़ों को बचाने की कोशिश में है। वहीं अअढ सत्ता में अपनी पकड़ और मजबूत करने के लिए पूरा दम लगा रही है। इन उपचुनावों में जनता का रुझान यह तय करेगा कि दिल्ली में किस दल की पकड़ अब भी बरकरार है। मतदान 30 नवंबर को होगा और नतीजे 3 दिसंबर 2025 को आएंगे।

AAP के उम्मीदवारों की लिस्ट

पार्टी ने जिन वार्डों से उम्मीदवार उतारे हैं, उनकी सूची इस प्रकार है:

वार्ड संख्या 164; दक्षिण पुरी- श्री राम स्वरूप कनौजिया

वार्ड संख्या 163; संगम विहार ए- श्री अनुज शर्मा

वार्ड संख्या 173; ग्रेटर कैलाश- सुश्री ईशना गुप्ता

वार्ड संख्या 198; विनोद नगर- श्रीमती गीता रावत

वार्ड संख्या 56; शालीमार बाग बी- सुश्री बबीता अहलावत

वार्ड संख्या 65; अशोक विहार- सुश्री सीमा विकास गोयल

वार्ड संख्या 74; चांदनी चौक- श्री हर्ष शर्मा

वार्ड संख्या 76; चांदनी महल- श्री मुद्दसिर उस्मान कुरैशी

वार्ड संख्या 120; द्वारका बी- सुश्री राजबाला सहरावत

वार्ड संख्या 35; मुंडका- श्री अनिल लकड़ा, वार्ड संख्या 139; नारैना- श्री राजन अरोड़ा

वार्ड संख्या 128; दीचाऊं कलां- श्री केशव चौहान

AAP बनाम BJP में होगा कड़ा मुकाबला

## बिहार चुनाव प्रचार थमा, अब वोट की बारी, दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर महामुकाबला

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अपने निर्णायक मोड़ पर पहुंच चुका है। दूसरे चरण की 122 सीटों के लिए प्रचार रविवार (09 नवंबर) शाम पांच बजे थम गया। 11 नवंबर को सुबह 7 बजे से मतदान होगा और 14 नवंबर को नतीजे सामने आएंगे। अब हर तरह के चुनाव प्रचार से लेकर सर्वे, ओपिनियन पोल सब पर रोक है।

चुनाव आयोग ने मतदान से पहले पूरे राज्य में सख्त निगरानी के निर्देश जारी कर दिए हैं। भारत-नेपाल सीमा को भी सील कर दिया गया है ताकि किसी तरह की अवैध गतिविधि या बाहरी दखल चुनाव को प्रभावित न कर सके। भारत-नेपाल बॉर्डर को 11 नवंबर की रात तक सील की गई। आइए जानते हैं कि बिहार चुनाव के दूसरे चरण में किन-किन जिलों में वोटिंग होगी, कितने हाई प्रोफाइल उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं और हर अहम जानाकारी।

20 जिलों में होगा मतदान, 3.7 करोड़ से ज्यादा मतदाता करेंगे फैसला

दूसरे चरण में बिहार के 20 जिलों गया, कैमूर, रोहतास, औरंगाबाद, अरवल, जहानाबाद, नवादा, भागलपुर, बांका, जमुई, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, पूर्णिया, अररिया, कटिहार, किशनगंज, पूर्वी और पश्चिमी चंपारण में वोटिंग होगी।

इस चरण में कुल 1302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1165 पुरुष, 136 महिलाएं और 1 ट्रांसजेंडर उम्मीदवार शामिल हैं। 3 करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें 1.95 करोड़ पुरुष और 1.74 करोड़ महिलाएं हैं।

बिहार चुनाव 2025: दूसरे चरण के आंकड़े एक नजर में, कुल विधानसभा सीटें: 122, सामान्य सीटें: 101, अनुसूचित जाति (SC) सीटें: 19, अनुसूचित जनजाति (रळ) सीटें: 2, कुल मतदाता: 3,70,13,556, पुरुष मतदाता: 1,95,44,041, महिला मतदाता: 1,74,68,572, नए मतदाता: 5,28,954, कुल मतदान केंद्र: 45,399, कुल उम्मीदवार: 1,302, पुरुष उम्मीदवार: 1,165, महिला उम्मीदवार: 136

45 हजार से ज्यादा बूथों पर वोटिंग की तैयारी पूरी

चुनाव आयोग ने 20 जिलों में कुल 45,399 मतदान केंद्र बनाए हैं। इनमें 5326 बूथ शहरी और 40,073

बूथ ग्रामीण क्षेत्रों में हैं। सुरक्षा के लिहाज से आयोग ने 45,388 सामान्य और 11 सहायक बूथों की व्यवस्था की है। कई इलाकों में मतदान समय को कम किया गया है, खासकर नक्सल प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में।

इन दिग्गजों की किस्मत दांव पर

दूसरे चरण में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कई मंत्रियों की किस्मत ईवीएम में बंद होगी। इनमें सुपौल से बिजेंद्र प्रसाद यादव, चकाई से सुमित कुमार सिंह, झंझारपुर से नीतीश मिश्रा, अमरपुर से जयंत राज, छातापुर से नीरज बबलू, बेतिया से रेणु देवी, धमदाहा से लेशी सिंह, हरसिद्धि से कृष्णनंदन पासवान और चैनपुर से जमा खान शामिल हैं।

वहीं महागठबंधन की ओर से राजद के वरिष्ठ नेता उदय नारायण चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद खान, और भाकपा (माले) के नेता महबूब आलम भी मैदान में हैं।

कौन कितनी सीटों पर लड़ रहा है?

ठऊअ की बात करें तो इस चरण में भाजपा के 53, जदयू के 44, लोजपा (रामविलास) के 15, रालोमो के 4 और हम के 6 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं महागठबंधन की ओर से राजद 72 सीटों, कांग्रेस 37 सीटों, और वीआईपी 10 सीटों पर ताल ठोक रही है।

एनडीए की तरफ से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा जैसे स्टार प्रचारक मैदान में रहे। दूसरी ओर, तेजस्वी यादव, लालू प्रसाद यादव, और मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी चुनावी माहौल को गरम रखा।

## ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की

**ओडिशा के राज्यपाल ने भारत पर्व में उपस्थित रहकर कलाकारों की प्रस्तुतियाँ देखीं**

**डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने एकता नगर को विश्व पर्यटन धाम बनाने के लिए राज्य सरकार की सराहना की**

गांधीनगर, 09 नवंबर :ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति ने रविवार को गांधीनगर में मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार भेंट की।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से देशभर में मनाई जा रही सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में इस वर्ष राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह के साथ आयोजित होने वाला भारत पर्व गुजरात में आयोजित हुआ है। ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति 8 नवंबर शनिवार को भारत पर्व में उपस्थित रहे।

सरदार साहब की 150वीं जयंती का गरिमामय उत्सव 15 नवंबर तक नर्मदा जिले के एकता नगर में भारत पर्व तथा एकता पर्व के साथ मनाया जा रहा है।

इस भारत पर्व में प्रतिदिन रात्रि में देश के विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक प्रस्तुति कर 'अनेकता में एकता ही हमारी विशेषता' का ध्येय साकार किया जा रहा है।

एक भारत, श्रेष्ठ भारत अंतर्गत इस भारत पर्व में जिन राज्यों की कलाकृतियों का प्रदर्शन तथा प्रस्तुति होते हैं, उन राज्यों के महानुभाव विशेष रूप से उपस्थित रहकर कलाकारों को प्रोत्साहित करते हैं।

इसी क्रम में शनिवार को भारत पर्व में ओडिशा के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुति हुई। इस अवसर पर ओडिशा के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू कंभमपति अतिथि विशेष के रूप में उपस्थित रहे।

### टोल प्लाजा पर तेज रफ्तार टैंकर ने बेकाबू होकर मचाई भारी तबाही, टक्कर से उखड़ा बूथ

राजस्थान के अजमेर जिले में रविवार को एक बड़ा सड़क हादसा हुआ है। किशनगढ़ के अराई हाईवे स्थित टोल प्लाजा पर एक बेकाबू तेज रफ्तार टैंकर सीधे टोल प्लाजा से टकरा

गई। इस जबरदस्त टक्कर की वजह से दो टोलकर्मी बुरी तरह से घायल हो गए हैं। टोल प्लाजा पर लगे सीसीटीवी कैमरे में घटना कैद हुई है। पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। अब तक की जांच में पता चला है कि ड्राइवर शराब के नशे में टैंकर चला रहा था।

## बीसलपुर: सरदार पटेल 150वीं जयंती पर कुर्मी समाज की एकता, डॉ. पल्लवी पटेल बोलीं- देश की खुशहाली खेतों से!

**बीसलपुर में सरदार पटेल की 150वीं जयंती पर कुर्मी समाज ने दिखाई एकता, उमड़ा जनसैलाब**

(पीलीभीत)बीसलपुर। रविवार को ग्रीनलैंड मैरिज लॉन में कुर्मी महासभा पीलीभीत के तत्वावधान में लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती धूमधाम से मनाई गई। समारोह में बड़ी संख्या में समाज के लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सिराथू विधायक डॉ. पल्लवी पटेल ने कहा कि देश की खुशहाली का रास्ता खेत-खलिहानों से होकर गुजरता है, लेकिन आज किसान बदहाली का शिकार है। उन्होंने कहा कि कमेरा समाज को जातियों के दायरे से ऊपर उठकर संगठित होना होगा। जब खेत-खलिहान मजबूत होंगे और समाज एकजुट होगा, तभी हम सरदार पटेल के सपनों का भारत बना सकेंगे

विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक

रोशनलाल वर्मा तिलहर ने कहा कि बहुसंख्यक समाज को अपने अधिकारों के लिए संगठित होकर आगे आना चाहिए। डॉ. संजीव कन्नौजिया ने सामाजिक एकता पर जोर दिया। डॉ. डी.पी. गंगवार अध्यक्ष आईएमए बरेली ने कहा कि सरदार पटेल ने केवल भारत को जोड़ा नहीं, बल्कि देश को आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दिया। हमें उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर समाज में सेवा, समर्पण और एकता की भावना को मजबूत करना चाहिए।। उन्होंने कहा कि समाज को सेवा और संगठन के रास्ते पर चलना चाहिए। डॉ. रत्नेश गंगवार ने कहा कि राष्ट्र सरदार पटेल का ऋणी है, जिन्होंने एकता और अखंडता की नींव रखी। उन्होंने कहा कि शिक्षित समाज ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण कर सकता है।कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. डी.पी. गंगवार ने की, संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामप्रताप गंगवार ने किया। इस मौके पर शिवकुमार पटेल एडवोकेट महासचिव कुर्मी महासभा पीलीभीत, मोहम्मद साबिर उर्फ गुल्लू पहलवान, प्रेमसागर पटेल, राजाराम माथुर, हरपाल सिंह लोधी, अंग्रेज सिंह, जंगबहादुर पटेल, छत्रपाल पटेल, ब्रजनंदन प्रसाद पटेल, रवींद्र सिंह गंगवार, गोविंदपाल सिंह गंगवार, डॉ. रजनीश गंगवार, रामचंद्र कोरी, महेश पटेल, सुभाष पटेल व गजेंद्र पटेल सहित अनेक गणमान्य मौजूद रहे। कार्यक्रम में सरदार पटेल के आदर्शों पर चलने और समाज में एकता लाने का संकल्प लिया गया।

# 'मेरे हाइड्रोजन बम से मोदी चुप', राहुल पर भाजपा का वार-'धूल चेहरे पर, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार (9 नवंबर 2025) को किशनगंज में महागठबंधन के उम्मीदवारों के समर्थन में एक जोरदार सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चुनाव आयोग पर 'वोट चोरी' के गंभीर आरोप लगाते हुए अपना 'हाइड्रोजन बम' फोड़ा, जो हरियाणा चुनावों में कथित धांधली के सबूतों पर आधारित था।

राहुल ने दावा किया कि भाजपा हर राज्य में वोट चुराकर सरकारें बना रही है, और बिहार में भी यही साजिश रची जा रही है। आपको बता दें कि, लगभग सभी जनसभाओं में कांग्रेस 'वोट चोरी'का आलाप गुनगुना रही है। लेकिन, इसी बीच रविवार को ही, भाजपा ने तुरंत पलटवार किया, 'धूल चेहरे पर थी, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही।' यह राजनीतिक जंग न केवल वोट की वैधता पर, बल्कि विपक्ष की रणनीति और सत्ता पक्ष की आलोचना पर केंद्रित हो गई है।

राहुल के मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में 'जंगल सफारी' पर होने के बहाने उनकी प्राथमिकताओं पर सवाल उठाए। प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने तंज कसते हुए कहा, 'धूल चेहरे पर थी, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही।' यह राजनीतिक जंग न केवल वोट की वैधता पर, बल्कि विपक्ष की रणनीति और सत्ता पक्ष की आलोचना पर केंद्रित हो गई है।

किशनगंज की सभा में राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'ये लोग हरियाणा, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में वोट चोरी करके सरकार बना चुके हैं। बिहार में भी यही करने वाले हैं।' राहुल ने अपना 'हाइड्रोजन बम' फोड़ते हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में 25 लाख से ज्यादा फर्जी वोटों का दावा किया। 'एच फाइल्स' नामक पावरपॉइंट प्रेजेंटेशन के जरिए उन्होंने सबूत पेश किए, एक महिला का नाम दो बूथों पर 223 बार दर्ज, ब्राजीलियन मॉडल की फोटो 22 अलग-अलग नामों से वोटर लिस्ट में, और भाजपा नेताओं का दो राज्यों में वोटिंग का रिकॉर्ड।

राहुल ने चुटकी ली, 'आपने हरियाणा वाला हाइड्रोजन बम देखा है या नहीं? मैंने इन लोगों को बोलती बंद कर दी है। मैंने आरोप लगाया कि मोदी और चीफ इलेक्शन कमिश्नर (सीईसी) ज्ञानेश कुमार वोट चोरी कर रहे हैं। मोदी जी ने एक बार भी नहीं कहा कि राहुल झूठ बोल रहा है। क्यों? क्योंकि आरोप सही हैं।' उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा नेता दो-दो राज्यों में वोट करते हैं, और मोदी-अमित शाह 'चुनाव नहीं, वोट चोरी' से जीतते हैं।

राहुल ने बिहार के संदर्भ में भी चेतावनी दी। उन्होंने दावा किया कि स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (रक्फ़) के नाम पर 65 लाख वोटरों के नाम काटे गए, जिनमें ज्यादातर महिलाएं और महागठबंधन समर्थक हैं। किशनगंज सभा में उन्होंने जमुई जिले के वोटरों को मंच पर बुलाया, जिनके नाम कथित रूप से डिलीट हो गए। राहुल ने कहा, 'ये सिस्टमेटिक चोरी है। चुनाव आयोग भाजपा के साथ मिलकर लोकतंत्र को तबाह कर रहा है।'

इसके अलावा, राहुल ने वैचारिक लड़ाई पर जोर दिया। उन्होंने पूछा, 'आपका मूड कैसा है? हिंदुस्तान में दो विचारधाराएं हैं-एक तरफ फ़्र जो जाति, भाषा, महिला-पुरुष बांटती है; दूसरी तरफ कांग्रेस-महागठबंधन जो जोड़ना चाहता है।' उन्होंने अपनी 4,000 किलोमीटर की 'वोटर अधिकार यात्रा' का जिक्र किया, जिसका मकसद 'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलना' था। राहुल ने मोदी पर तंज कसा, 'उनके खून में नफरत है, मेरे में मोहब्बत। नफरत से उन्हें देश का धन मिलता है-जनता को डराकर ध्यान भटकाते हैं।'

बिहार के मुद्दों पर राहुल ने तीन सवाल उठाए: 'युवाओं को रोजगार क्यों नहीं? बिना शिक्षा के कॉलेज कैसे? बिहार की यूनिवर्सिटी बेची या बंद हो रही हैं?' उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार अडानी-अंबानी के लिए काम करती है, जबकि कांग्रेस किसान-मजदूरों के लिए। पीएम के बिहार दौरे पर चुटकी ली, 'उन्होंने कहा डेटा सस्ता किया, रील बनाओ। इंस्टाग्राम पर जाओ। लेकिन रील से पैसे आएंगे? ये 21वीं सदी का नशा है-मुद्दों से भटकाने का तरीका।'

राहुल गांधी की किशनगंज रैली से पूर्व व पहले के आरोपों पर भाजपा ने करारा दिया। पार्टी ने राहुल के बिहार चुनाव के बीच मध्य प्रदेश के पचमढ़ी में 'जंगल सफारी' पर होने का मुद्दा उठाया। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने एक्स (पूर्व ट्विटर) पर पोस्ट कर तंज कसा- 'राहुल गांधी के लिए छडढ का मतलब 'लीडर ऑफ पार्टी' नहीं, बल्कि 'लीडर ऑफ पर्यटन' है। बिहार में चुनाव चल रहे हैं, वो छुट्टी पर चले गए। हार मानकर चुनाव आयोग को दोष देंगे और 'एच फाइल्स' (हॉलीडे फाइल्स) पर पावरपॉइंट दिखाएंगे।'

पूनावाला ने एक कविता-शैली में चुटकी ली:- 'धूल चेहरे पर थी, कांग्रेस ताउम्र आईना पोछती रही।' उन्होंने कहा, 'राहुल का 'हाइड्रोजन बम' फुस्स है। ये वोट चोरी के आरोप हार की आड़ में हैं। बिहार की जनता रोजगार, विकास चाहती है, न कि फर्जी नैरेटिव।' केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने भी कहा, 'राहुल हरियाणा की पुरानी बातें दोहरा रहे हैं, बिहार में कुछ नहीं बचा। ये ध्यान भटकाने की कोशिश है।'

भाजपा का कहना है कि राहुल के आरोप बेबुनियाद हैं। हरियाणा चुनाव अधिकारी ने स्पष्ट किया कि 'हाउस नंबर 0' वाले वोटर बेघर हैं, न कि फर्जी। पार्टी ने एक सर्वे का हवाला दिया, जिसमें बिहार में केवल 21% लोग रक्फ़ को मुद्दा मानते हैं, जबकि बेरोजगारी 32% पर टॉप है।

इँ१ ए'ीू३ङ्क्ल्ल 2025: वोट चोरी नैरेटिव की चुनौतियां, क्या फायदा या नुकसान?

राहुल का 'वोटर अधिकार यात्रा' और 'हाइड्रोजन बम' नैरेटिव महागठबंधन (कांग्रेस-फ्खऊ) को युवा-महिला वोटरों का समर्थन दिलाने की कोशिश है। लेकिन सर्वे बताते हैं कि बेरोजगारी और विकास ही मुख्य मुद्दे हैं। पूर्व सीईसी एसवाई कुरैशी ने राहुल के आरोपों पर कहा कि आयोग को जांच करनी चाहिए, न कि चिल्लाना।

विश्लेषक मानते हैं कि यह नैरेटिव विपक्ष को एकजुट कर सकता है, लेकिन भाजपा-खऊ्र गठबंधन इसे 'हार का रोना' बताकर काउंटर कर रहा है। क्या राहुल का 'बम' फूटेगा या फुस्स? बिहार की जनता 14 नवंबर के रिजल्ट से फैसला करेगी। फिलहाल, यह जंग लोकतंत्र की पवित्रता पर सवाल उठा रही है।

# बिहार के इन 7 विधानसभा क्षेत्रों में सिर्फ 3 बजे तक वोटिंग, कहीं आपका बूथ भी तो इसमें नहीं?

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए प्रचार थम चुका है। 11 नवंबर को होने वाले इस महत्वपूर्ण मतदान से पहले, चुनाव आयोग का एक बड़ा फैसला सियासी गलियारों में हलचल मचा रहा है। दूसरे चरण में मतदान का समय घटाकर दोपहर 3 बजे करने का फैसला कुछ अति-संवेदनशील विधानसभा क्षेत्रों और बूथों पर लागू होगा।

चुनाव आयोग ने इन क्षेत्रों की पहचान की है, जहां सुरक्षा कारणों से वोटिंग का समय सीमित कर दिया गया है। इमामगंज विधानसभा क्षेत्र की 7 बूथों पर मतदान केवल 3 बजे तक होगा, जबकि कई अन्य संवेदनशील क्षेत्रों में भी समय घटाया गया है। यह फैसला मतदाताओं और प्रत्याशियों, दोनों के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

इन संवेदनशील बूथों पर पहले वोटिंग होगी खत्म

चुनाव आयोग ने दूसरे चरण के मतदान के लिए संवेदनशील बूथों पर विशेष दिशानिर्देश जारी किए हैं। इमामगंज विधानसभा क्षेत्र की 7 बूथों पर सबसे कम, यानी दोपहर 3 बजे तक ही मतदान होगा। इसके अतिरिक्त, इमामगंज की 354 बूथों पर शाम 4 बजे तक वोट डाले जा सकेंगे। बोधगया में 200 बूथों पर 4 बजे तक और 106 बूथों पर शाम 5 बजे तक मतदान होगा। वहीं, चैनपुर, रजौली, गोविंदपुर, सिकंदरा, जमुई, झाझा और चकाई जैसी विधानसभा सीटों की सभी बूथों पर शाम 4 बजे तक ही वोटिंग का समय निर्धारित किया गया है। यह सुरक्षा व्यवस्था और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए लिया गया अहम फैसला है।

दूसरा चरण: 122 सीटों पर 1302 उम्मीदवार

बिहार विधानसभा चुनाव का दूसरा चरण 11 नवंबर को राज्य के 20 जिलों की 122 विधानसभा सीटों पर होगा। इस चरण में कुल 1302 प्रत्याशी मैदान में हैं, जिनमें 136 महिलाएं और एक थर्ड जेंडर प्रत्याशी भी शामिल हैं। कुल 3 करोड़ 70 लाख 13 हजार 556 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। इस चरण के लिए 45,399 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जिनमें 40,073 ग्रामीण और 5326 शहरी बूथ हैं। क्षेत्रफल के हिसाब से भागलपुर (23.887 वर्ग किलोमीटर) सबसे छोटा और चैनपुर (1814.15 वर्ग किलोमीटर) सबसे बड़ा विधानसभा क्षेत्र है। मतदाताओं की संख्या के अनुसार, मखदुमपुर में सबसे कम (2.47 लाख) और हिसुआ में सबसे अधिक (3.67 लाख) मतदाता हैं।

पहले चरण में रिकॉर्ड मतदान

पहले चरण में रिकॉर्ड 65% से अधिक मतदान हुआ था, जो आजादी के बाद का सर्वाधिक था। इसे देखते हुए दूसरे चरण में भी रिकॉर्ड मतदान होने की उम्मीद है। पहले चरण के नतीजों से एक दिलचस्प बात सामने आई कि महिलाओं ने पुरुषों से ज्यादा मतदान किया। कुल मतदान प्रतिशत 65.08% रहा, जिसमें महिलाओं का मतदान प्रतिशत 69.04% था, जबकि पुरुषों का 61.56%। यह दर्शाता है कि महिलाओं की चुनावी भागीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। मीनापुर सीट पर पहले चरण में सबसे ज्यादा 77.54% मतदान दर्ज किया गया था। यह ट्रेंड दूसरे चरण में भी जारी रहने की संभावना है, जो बिहार की चुनावी तस्वीर को बदल सकता है।

# मुंबई के लोगों को मिलेगी ट्रैफिक जाम से राहत, कोस्टल रोड और मेट्रो के बाद अब 70 किमी का बनेगा टनल

(जीएनएस)।

मुंबई के लोगों के लिए ट्रैफिक जाम बहुत बड़ी समस्या है। पेशेवरों ही नहीं स्टूडेंट्स का भी रोज काफी समय ट्रैफिक में बीतता है। मुंबईकरों को भारी जाम से निजात देने के लिए सड़कों के विस्तार, ओवरब्रिज समेत इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट पर काम हो रहा है। जाम से राहत दिलाने के लिए देश की आर्थिक राजधानी अब एक मेगाप्लान की ओर बढ़ रही है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद शहर का परिवहन ढांचा पूरी तरह से बदल जाएगा।

मुंबई महानगरीय क्षेत्र विकास प्राधिकरण (MMRDA) ने इंटिग्रेटेड टनल रोड सिस्टम की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (DPR) तैयार करनी शुरू कर दी है। इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत मुंबई के विभिन्न इलाकों को भूमिगत सड़कों से जोड़ा जाएगा। इससे सड़कों पर वाहनों का दबाव घटेगा। शहर के एक छोर से दूसरे छोर तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग की व्यवस्था होगी।

अंडरग्राउंड सड़कों का बिछेगा जाल

- मुंबई में जमीन की कमी और बढ़ते ट्रैफिक को देखते हुए अब नई सड़कों का निर्माण बेहद कठिन है। ट्रैफिक के दबाव को नियंत्रित करने के लिए ओवरब्रिज, फ्लाईओवर बनाए जा रहे हैं।

- हालांकि, गाड़ियों की बढ़ती संख्या और भविष्य की जरूरत को देखते हुए एमएमआरडीए ने सड़कों को जमीन के नीचे ले जाने का फैसला किया है।
- इन टनल नेटवर्क के जरिए कोस्टल रोड, बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC), बुलेट ट्रेन स्टेशन और छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (CSMIA) को आपस में जोड़ा जाएगा।

तीन चरणों में पूरा होगा टनल प्रोजेक्ट

- पहला चरण (16 किमी): वर्ली सी लिंक से बीकेसी और एयरपोर्ट तक भूमिगत सुरंग बनाई जाएगी।
- दूसरा चरण (10 किमी): ईस्टर्न और वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे को जोड़ेगा, जिससे पूर्व-पश्चिम दिशा का ट्रैफिक आसान होगा।
- तीसरा चरण (44 किमी): उत्तर मुंबई से दक्षिण मुंबई तक जाने वाली मुख्य सुरंग बनेगी, जिससे यात्रियों और माल दोनों की आवाजाही तेज होगी।
- इससे वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे (WEH) और एस.वी. रोड पर ट्रैफिक का बोझ काफी हद तक कम होगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह टनल नेटवर्क मुंबई को ग्लोबल सिटी बनाने की दिशा में अहम कदम साबित होगा। इससे कोस्टल रोड, मेट्रो और सड़कें आपस में जुड़ेंगी, ट्रैफिक कम होगा और सफर सुरक्षित बनेगा। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अब मुंबई सतह के नीचे भी चलेगी। यह प्रोजेक्ट शहर के एक छोर से दूसरे छोर से दूसरे छोर को मिनटों में पहुंचाने के सपने को पूरा करेगा।

पर्यावरण के लिहाज से भी अच्छा विकल्प

एमएमआरडीए के मेट्रोपॉलिटन कमिश्नर डॉ. संजय मुखर्जी ने बताया कि डीपीआर में सुरंगों के स्थान, पर्यावरणीय प्रभाव और लागत की समीक्षा की जा रही है। यह प्रोजेक्ट पूरा होने के बाद मुंबई का चेहरा बदल जाएगा। टनल रोड की वजह से ट्रैफिक जाम में भारी कमी होगी और आम लोगों का यात्रा समय भी घटेगा। प्रदूषण में कमी आएगी और एयरपोर्ट, कोस्टल रोड और मेट्रो के बीच बेहतर कनेक्टिविटी बन सकेगी।

# चुनाव प्रचार के आखिरी दिन एनडीए पर मुकेश सहनी का बड़ा आरोप, 'मुझे घंटों एयरपोर्ट पर बिठाए रखा'

(जीएनएस)।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 अब अपने आखिरी दौर में पहुंच गया है। पहले फेज में रिकॉर्डतोड़ वोटिंग हुई है। रविवार, 09 नवंबर को दूसरे फेज के लिए चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। इस बीच प्रचार के आखिरी दिन विकासशील इंसान पार्टी (श्क्ढ) के चीफ मुकेश सहनी ने एनडीए सरकार पर बड़ा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं की उड़ानें जान-बूझकर बाधित की गईं और मुझे दो-दो घंटे एयरपोर्ट पर बिठाया गया। उन्होंने केंद्र सरकार पर वोट चोरी का आरोप भी लगाया।

चुनाव प्रचार के आखिरी दिन मुकेश सहनी ने कहा कि विपक्षी नेताओं के चुनाव अभियान को बाधित करने की कोशिश की गई। हमारी फ्लाइट्स और उड़ान को बाधित किया गया ताकि विपक्ष की सभाएं रद्द हो सकें। उन्होंने यह भी कहा कि जनता इसका जवाब देगी और पहले फेज में ही महागठबंधन के पक्ष में एकतरफा मतदान हुआ है।

बिहार में दूसरे चरण की 122 सीटों पर रविवार को चुनाव प्रचार थम जाएगा। आम तौर पर नेता चुनाव के दौरान एक ही दिन में कई चुनाव प्रचार करते हैं। ज्यादातर नेता अपना चॉपर प्रचार के लिए इस्तेमाल करते हैं और कभी-कभी फ्लाइट्स का इस्तेमाल करते हैं। महागठबंधन लगातार चुनाव प्रचार के दौरान वोट चोरी का आरोप लगाता रहा है। अब प्रचार के आखिरी दिन मुकेश सहनी ने एयरपोर्ट पर बिठाने और प्रचार अभियान में बाधा डालने का आरोप लगाया है।

मीडिया से बात करते हुए महागठबंधन के डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी ने कहा, 'बीजेपी और NDA के नेताओं को उड़ानें जल्दी मिल जाती हैं। महागठबंधन के सदस्यों को साजिश के तहत ढाई-ढाई घंटे एयरपोर्ट पर बैठाया जाता है। यह सब इसलिए होता है ताकि हमारे कार्यक्रम रद्द हो जाएं। इस विधानसभा चुनाव में हमारे 3-4 कार्यक्रम इसी वजह से रद्द हो गए।' उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष को जानबूझकर प्रताड़ित किया जा रहा है।

प्रचार का आखिरी दिन

- बिहार विधानसभा चुनाव में पहले फेज की वोटिंग 6 नवंबर को हो चुकी है जिसमें रिकॉर्ड 64.67 फीसदी मतदान हुआ है।
- दूसरे फेज के लिए मतदान 11 नवंबर को होगा और चुनाव प्रचार का शोर रविवार (9 नवंबर) को शाम 5 बजे थम जाएगा।
- वोटों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी। पहले फेज की वोटिंग के बाद दोनों प्रमुख गठबंधन और प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी की जीत का दावा किया है।

# आईएसआईएस आतंकी चला रहा स्मार्टफोन, 20 महिलाओं के रेपिस्ट फोन से कर रहा बात, जेल का वीडियो देख होश उड़ जाएंगे

(जीएनएस)।

देश की सबसे सुरक्षित मानी जाने वाली बेंगलुरु सेंट्रल जेल एक बार फिर शर्मसार हुई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए 6 सनसनीखेज वीडियो ने पूरे देश को हिला दिया है। इन वीडियो में आतंकवादी संगठन क्रक्र के कुख्यात हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना, सीरियल रेपिस्ट उमेश रेड्डी और लश्कर के आतंकी जैसे खूंखार अपराधी मोबाइल फोन इस्तेमाल करते, टीवी देखते और जेल के अंदर 'ऐश' करते पकड़े गए हैं।

यह घटना न केवल जेल प्रशासन की घोर लापरवाही को उजागर करती है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े करती है। मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने मामले की गहन जांच और दोषियों पर सख्त कार्रवाई का आदेश दिया है।

वायरल वीडियो में ISIS हैंडलर जुहाद हामिद शकील मन्ना स्मार्टफोन और बेसिक हैंडसेट पर आराम से बात करता दिख रहा है, जबकि सीरियल रेपिस्ट उमेश रेड्डी दो एंड्रॉयड फोन और एक कीपैड मोबाइल के साथ टीवी के पास बैठा है। लश्कर के संदिग्ध आतंकी भी स्मार्टफोन का इस्तेमाल करते पाए गए हैं। इन खूंखार अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन का उपयोग राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है, क्योंकि वे अन्य कैदियों को कट्टर बना सकते हैं या प्रतिबंधित संगठनों से संपर्क साध सकते हैं। यह सब जेल स्टाफ की मिलीभगत के बिना संभव नहीं है, जैसा कि जेल अधिकारी इन गतिविधियों से वाकिफ थे।

बेंगलुरु जेल में यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी सैंडलवुड एक्टर दर्शन थूगुदीपा को लॉन पर मोबाइल इस्तेमाल करने, चाय पीने और सिगरेट पीने की सुविधा मिली थी। हाल के वीडियो में गोल्ड स्मगलिंग केस की आरोपी और एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की बेटी रन्या राव के दोस्त तरुण राजू को भी जेल में मोबाइल इस्तेमाल करते और खाना बनाते देखा गया है। ये मामले साफ दिखाते हैं कि जेल प्रशासन में गहरी पैठ रखने वाले रसूखदारों और खूंखार अपराधियों को जेल में श्क्ढ ट्रीटमेंट मिल रहा है। स्थानीय निवासी शिकायत करते हैं कि जेल के जैमर उनके फोन सिग्नल बाधित करते हैं, पर कैदी बिना रुकावट फोन चला रहे हैं।

मामला सामने आने के बाद मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गहन जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा दिलाया है। एडीजीपी (जेल) बी. दयानंदा ने भी जांच के आदेश जारी किए हैं, जिसमें फोन मुहैया कराने वालों, इसमें शामिल अधिकारियों की भूमिका और वीडियो लीक करने वालों की पहचान की जाएगी। एडीजीपी (जेल) पीवी आनंद रेड्डी ने जेल का दौरा कर कैदियों और स्टाफ से पूछताछ की है। प्रारंभिक जांच में कुछ वीडियो 2023 और कुछ हाल के पाए गए हैं। अब देखना यह है कि इस हाई-प्रोफाइल मामले में कितने बड़े अधिकारियों पर गाज गिरती है और क्या जेल की सुरक्षा व्यवस्था में वाकई सुधार होगा।

# रान्या राव केस: जेल में रान्या के गोल्ड ड्रेगर' दोस्त की ऐश! टीवी-स्पेशल बिस्तर और क्या-क्या पूरी हो रही डिमांड

(जीएनएस)।

कन्नड़ फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रान्या राव के सोना तस्करी कांड ने एक बार फिर सुर्खियां बटोर ली हैं। इस साल मार्च में सामने आए इस हाई-प्रोफाइल केस में रान्या की गिरफ्तारी के बाद उनके सह-आरोपी और तेलुगु एक्टर तरुण राजू (जिन्हें तरुण राज कोंडुरु या विराट कोंडुरु के नाम से भी जाना जाता है) पर भी इंटरनेशनल स्मगलिंग नेटवर्क का मास्टरमाइंड होने का आरोप लगा।

लेकिन अब वायरल वीडियो के जरिए खुलासा हुआ है कि तरुण बेंगलुरु की परप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल में 'लग्जरी लाइफ' जी रहे हैं- मोबाइल फोन, टीवी, स्पेशल बिस्तर, खाना बनाने की सुविधा और यहां तक कि 'बिंदास' स्टाइल में मनोरंजन।

ये वीडियो न केवल जेल प्रशासन पर सवाल खड़े कर रहे हैं, बल्कि पूरे केस की जांच एजेंसियों- डायरेक्टोरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (DRI) और एनफोर्समेंट डायरेक्टोरेट (ED)- को भी अलर्ट पर ला दिया है। क्या ये सुविधाएं 'डिमांड' पर पूरी हो रही हैं? आइए, इस कांड की पूरी कहानी को विस्तार से समझते हैं...

यह मामला 3 मार्च 2025 को तब फूटा जब रान्या राव, जो सीनियर क्ढर अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं, बेंगलुरु के केम्पेगौड़ा इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दुबई से लौटते समय पकड़ी गईं। कस्टम्स अधिकारियों ने उनकी बॉडी सर्च की तो हैरानी की बात सामने आई, रान्या ने सोने को बैंडेज में लपेटकर शरीर के अलग-अलग हिस्सों (जांघों, कमर और पेट के आसपास) में छिपाया था। कुल 14.213 किलोग्राम 24 कैरेट सोना बरामद हुआ, जिसकी मार्केट वैल्यू करीब 12.56 करोड़ रुपये बताई गई। इससे बचने वाले कस्टम ड्यूटी का अनुमान 4.83 करोड़ रुपये था।

DRI की जांच में खुलासा हुआ कि रान्या 2023 से 2025 के बीच दुबई की 50 से ज्यादा यात्राएं कर चुकी थीं- जिनमें से 34 अकेले 2025 के पहले दो महीनों में। ये यात्राएं कथित तौर पर सोना तस्करी के लिए थीं। उनकी रेसिडेंस पर छापे में 2.67 करोड़ रुपये की अनअकाउंटेड नकदी और 2.06 करोड़ की सोने की ज्वेलरी भी जब्त हुई। रान्या ने शुरूआत में खुद को 'मूल' बताया- यानी किसी अनजान व्यक्ति ने श्ङ्क्ढ कॉल पर धमकाकर सोना देने को मजबूर किया। लेकिन जांच ने उनके झूठ को बेनकाब कर दिया।

रान्या ने दुबई में 'वीरा डायमंड्स ट्रेडिंग छछउ' नाम की कंपनी रजिस्टर की थी, जो सोना इंपोर्ट-एक्सपोर्ट का काम करती थी। कंपनी का 50-50 पार्टनर था तरुण राज। रान्या ने HDFC बैंक से 8-10 लाख रुपये निवेश किए, जबकि तरुण बिजनेस ऑपरेशंस संभालता था। DRI के मुताबिक, कंपनी दुबई में सोना खरीदती, कस्टम्स डिक्लेरेशन में जिनेवा जाने का झूठा दावा करती, लेकिन असल में भारत तस्करी कर लाती। नवंबर-दिसंबर 2024 के दो कस्टम्स डॉक्यूमेंट्स रान्या के घर से मिले, जो इस साजिश की पुष्टि करते हैं। फिल्म इंडस्ट्री की मशहूर एक्ट्रेस रान्या राव।

तरुण राजू (30 वर्षीय), जो तेलुगु फिल्म 'परिचयम' (2018) में लीड रोल के लिए फेमस हैं और तमिल फिल्मों में भी काम कर चुके हैं, रान्या के करीबी दोस्त थे। दोनों का कनेक्शन फिल्म इंडस्ट्री के इवेंट्स, पार्टियों और दुबई ट्रिप्स से था। तरुण- जो एक प्रमुख होटेलियर के पोते और अमेरिकी नागरिक भी हैं- कथित तौर पर रान्या को इंटरनेशनल स्मगलर्स और फाइनेंशियर्स से जोड़ने वाले 'की लिंक' थे। DRI ने उन्हें 11 मार्च 2025 को गिरफ्तार किया, जब वे जिनेवा भागने की कोशिश कर रहे थे। जांच में पाया गया कि तरुण ने 72.6 किलोग्राम सोना तस्करी में मदद की, जिसके लिए उन पर 62 करोड़ का पेनल्टी लगाया गया।

किन धाराओं के तहत केस दर्ज?

तरुण और रान्या पर कस्टम्स एक्ट की धारा 135 और 104 के तहत केस चला। दोनों की बेल अर्जियां कई बार खारिज हुईं- कमर्शियल कोर्ट ने 'सीरियस इकोनॉमिक ऑफेंस' और 'फ्लाइट रिस्क' का हवाला देकर। मई 2025 में डिफॉल्ट बेल मिली (चार्जशीट लेट फाइलिंग पर), लेकिन जुलाई में COFEPOSA एक्ट के तहत 1 साल की डिटेंशन ऑर्डर आया, जिसने बेल को बेअसर कर दिया। सितंबर में उफ्क्र ने रान्या पर 102.55 करोड़ (जिनमें तरुण का 62 करोड़ शामिल) का पेनल्टी लगाया। अगर न चुकाया तो प्रॉपर्टी अटैचमेंट की धमकी।

तीसरा आरोपी साहिल सकरिया जैन (बल्लारी का ज्वेलर) भी गिरफ्तार हुआ, जो हवाला ट्रांजेक्शंस संभालता था। कुल 127.3 किलोग्राम सोना जब्त, जो दुबई, युगांडा और मलेशिया से आया। एऊ और उइक भी जांच में जुड़ीं, मनी लॉन्ड्रिंग एंगल पर।

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब असली ड्रामा जेल का है। 8 नवंबर 2025 को सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में तरुण को परप्पना अग्रहरा सेंट्रल जेल के सेल में 'रॉयल' अंदाज में दिखाया गया।

RNI No.: UPHIN/25/A1698 Published & Owned by RAGINI JIGNESHKUMAR VAGHELA and Printed By SUSHILA SHUKLA at Krishna Printiers, 271/31 Chakmaki Dugawa, Rajendranagar, Lucknow-226018, Uttar Pradesh.
and Published from 538 GHA/85 Pataurganj, Near Janki Prasad Dharmshala, Sitapur Road, Niralanagar, Lucknow-226020, Uttar Pradesh. Editor : VINOD KUMARI

# सम्पादकीय

## कानून की कोई भी व्याख्या निष्पक्षता और जनहित को बचाए रखते हुए विधायी मंशा के अनुरूप होनी चाहिए

वाणिज्यिक न्यायालयों के स्थाई अंतर्राष्ट्रीय फोरम की छठी पूर्ण बैठक में भारत के प्राधान न्यायाधीश बीआर गवई ने कहा कि न्यायपालिका कानून के शासन की एक मजबूत संरक्षक रही है और शीर्ष अदालत ने यह सुनिाित किया है कि वह आर्थिक नीतिगत मामलों में तब तक हस्तक्षेप नहीं करेगी, जब तक कि मौलिक अधिकारों या संविधान के अन्य प्रावधानों का उल्लंघन न किया जा रहा हो। न्यायमूर्ति गवई ने इसी के साथ एक बात और कही कि वाणिज्यिक कानून की कोई भी व्याख्या निष्पक्षता और जनहित को बचाए रखते हुए विधायी मंशा के अनुरूप होनी चाहिए। प्राधान न्यायधीश ने सरकार की शक्तियों के बारे में विचार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सरकार की शक्तियां विशेष रूप से कराधान और विनिमय से जुड़े मामलों में एक स्पष्ट वैधानिक आधार पर टिकी होनी चाहिए और संविधान की सीमाओं के भीतर ही इस्तेमाल की जानी चाहिए।

दरअसल प्राधान न्यायाधीश गवई ने जो वुछ भी कहा है वह न सिर्प संवैधानिक भावों के अनुरूप है बल्कि उनके पद एवं प्रातिष्ठा के अनुवूल भी है। संविधान निर्मात्री सभा के सदस्यों ने जब लोकतंत्र के तीनों स्तंभोंका यंर्पालिका, विधायिका और न्यायपालिका के अधिकारों एवं कर्तव्यों का विश्लेषण किया तो उसने स्पष्ट रूप से इस बात का उल्लेख किया था कि सभी स्तंभ अपने-अपने क्षेत्र में स्वतंत्र रूप से कार्य करेंगे तभी लोकतांत्रिक प्रावृतियों का स्थाई भाव राष्ट्र के लोगों के प्राति सही मायने में न्याय एवं कल्याण करने में सफल हो पाएगा। कार्यर्पालिका किसी भी तरह की नीतिगत पैसला लेने में सफल होती हैं। कानून बनाने का स्थान संसद और विधानसभाएं हैं न कि कोर्ट रूम। कोर्ट किसी भी विधेयक के पारित होने के बाद समीक्षा करने के लिए तभी तैयार होता है जब उससे इस बात की शिकायत की जाती है कि सरकार द्वारा पारित कानून वादी के मौलिक अधिकारों के लिए बाधा बन चुका है। संसद को किसी भी कानून को बनाने के पहले शीर्ष अदालत से न तो अनुमति लेने की जरूरत पड़ती है और न ही शीर्ष अदालतें किसी तरह अनावश्यक हस्तक्षेप करती हैं। संसद में सत्ताधारी पाटा संख्या बल पर यदि कोई विधेयक पारित करवा भी लेती हैं तो शीर्ष अदालत मात्र यही कि सरकार द्वारा पारित विधेयक संविधान सम्मत है अथवा नहीं। कभी-कभी किसी सुनवाई के दौरान भी शीर्ष अदालत सरकार को सलाह देती है कि वह आमुक विषय पर स्पष्ट कानून बना दे। संसद का तो काम ही कानून बनाना है। संसद द्वारा पारित कानूनों की जिस तरह कोर्ट रूम में सुनवाई होती हैं, उससे साफ जाहिर होता है कि सुप्रीम कोर्ट का आशय कभी विधायिका को नीचा दिखाने का नहीं होता।

जजों के लिए स्पष्टीकरण जानना जरूरी होता है। प्रायः ऐसा देखा गया है कि जब कभी आर्थिक मामलों से संबंधित कानूनों की समीक्षा सुप्रीम कोर्ट में होती है तो पीठ में मौजूद न्यायाधीश बहुत ही तीखे सवाल पूछते हैं।

लेकिन बाद में जब पैसले आते हैं तो शीर्ष अदालत विधायिका द्वारा पारित विधेयक को सही ठहरा देती है।

बहरहाल सुप्रीम कोर्ट के प्राधान न्यायाधीश ने सरल एवं सकारात्मक भाव से अपनी बात कही है, उससे एक बात स्पष्ट है कि उनके कहने का आशय यही है कि सरकार जो भी कानून बनाए वह संविधान सम्मत हो और किसी भी तरह किसी के मौलिक अधिकारों के लिए घातक न हो। यदि सरकार ने इन दोनों ही बातों का ध्यान दिया तो सुप्रीम कोर्ट को किसी कानून को रद्दी की टोकरी में डालने का कोई शौक नहीं। चुनी हुई लोकप्रिय सरकार के अधिकारों का सम्मान सुप्रीम कोर्ट भी करता है। इसे कार्यर्पालिका और न्यायपालिका के बीच संबंधों के लिए सकारात्मक संदेश माना जा सकता है। उम्मीद की जानी चाहिए कि कार्यर्पालिका और विधायिका भी शीर्ष अदालत के पैसलों के बाद जजों की पारिवारिक वुंडली को राजनीति से जोड़कर न देखें। लोकतंत्र के लिए सभी स्तंभों में संतुलन आवश्यक है।

# मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उत्सव अंतर्गत राज्यव्यापी सरदार@150 यूनिटी मार्च को जूनागढ से प्रस्थान कराया

- **मुख्यमंत्री ने जूनागढ के ऐतिहासिक बहाउद्दीन महाविद्यालय से यूनिटी मार्च पदयात्रा का प्रारंभ काराया**
- **मुख्यमंत्री ने आरजी हुकूमत के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया**

**-: मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल :-**

- **यूनिटी मार्च सर्व समाज को साथ जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के लिए प्रेरणा देगा**
- **प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केवडिया कॉलोनी में विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी' के निर्माण द्वारा देश ने सरदार पटेल को सच्ची श्रद्धांजलि दी है**
- **यूनिटी मार्च 'एक भारत, आत्मनिर्भर भारत' की विभावना को चरितार्थ कर एकता की नींव और सुदृढ़ बनाएगा**

गांधीनगर, 09 नवंबर :मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने लौह पुरुष तथा देश के महान निमार्ता सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के उत्सव तथा जूनागढ के मुक्ति दिवस के अवसर पर रविवार को सरदार@150 यूनिटी मार्च पदयात्रा को प्रस्थान कराया।

श्री पटेल ने ऐतिहासिक बहाउद्दीन महाविद्यालय स्थित आरजी हुकूमत के माध्यम से मिली मुक्ति के स्मरण स्मृति स्मारक में स्वतंत्रता सेनानियों का स्मरण कर पुष्पांजलि अर्पित की।

उन्होंने पदयात्रा में सहभागी होने वाले हजारों नागरिकों को संबोधित करते हुए राज्यव्यापी यूनिटी मार्च के प्रथम चरण का प्रारंभ कराया।

इस रैली के प्रस्थान से पहले मुख्यमंत्री ने आरजी हुकूमत के इतिहास को दर्शाने वाली फोटो प्रदर्शनी भी निहारी।

उन्होंने दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि यूनिटी मार्च सर्व समाज को साथ जोड़कर आत्मनिर्भर भारत के लिए

प्रेरणा देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दिशादर्शन में समग्र देश में आयोजित हो रही एकता यात्रा सच्चे अर्थ में भारत को 'एक एवं अखंड' बनाकर सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि देने वाली सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने आरजी हुकूमत के इतिहास का स्मरण करते हुए कहा कि वर्ष 1947 की 15 अगस्त को देश स्वतंत्र हुआ, लेकिन जूनागढ के नवाब की लोकमत के विरुद्ध नीति के कारण 86 दिनों के संग्राम के बाद 9 नवंबर को उपरकोट पर भारत का तिरंगा फहराए जाने के साथ जूनागढ वास्तव में स्वतंत्र हुआ था और इस प्रकार 9 नवंबर को 'जूनागढ मुक्ति दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

उन्होंने ये संस्मरण भी ताजा किए कि आरजी हुकूमत द्वारा जूनागढ को मुक्ति दिलाए जाने के बाद 13 नवंबर को इसी बहाउद्दीन महाविद्यालय के मैदान में सरदार वल्लभभाई पटेल ने सभा कर जूनागढवासियों को अभिनंदन दिया था।

श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने 563 देसी रजवाड़ों का भारत में विलय कर ''एक एवं अखंड भारत' बनाया था। अब प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के अभियान द्वारा उसकी नींव और सुदृढ़ बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सरदार साहब की स्मृति चिरंजीव रहे; इसके लिए केवडिया कॉलोनी में स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण किया है और वे प्रतिवर्ष सरदार पटले जयंती को एकता दिवस के रूप में मनाकर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन कर सरदार साहब को सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस वर्ष स्टैच्यू ऑफ यूनिटी में 'भारत पर्व' का आयोजन कर आत्मनिर्भर भारत के साथ वोकल फॉर लोकल तथा 'विकसित भारत' का मार्ग और सुदृढ़ बना रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि केन्द्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में धारा 370 के निर्मूलन द्वारा कच्छ से कटक और कश्मीर से कन्याकुमारी तक ''एक एवं अखंड भारत' का सरदार का स्वप्न धरातल पर उतरा है।

श्री पटेल ने कहा कि सभी साथ मिलकर चलें और समरस समाज का निर्माण हो; इसके लिए यूनिटी मार्च के माध्यम से सभी वर्गों को शामिल कर राज्यभर में यूनिटी मार्च का आयोजन किया गया है, जिसके प्रथम चरण का शुभारंभ आज ऐतिहासिक बहाउद्दीन महाविद्यालय के मैदान से हुआ है। यह सभी को प्रेरणा प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री ने सभी सोरठवासियों को जूनागढ मुक्ति दिवस की शुभकामनाएँ देते हुए विकसित भारत के निर्माण के लिए एक एवं नेक बनकर सहभागी होने का आ'ान किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने जूनागढ के स्वतंत्रता आंदोलन में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले आरजी हुकूमत के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजनों का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

जूनागढ जिला प्रभारी सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता डॉ. प्रद्युमनभाई वाजा ने जूनागढ के लिए आज के दिन को ऐतिहासिक बताकर कहा कि इस वर्ष सरदार साहब व बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती तथा वंदे मातरम् गीत के 150 वर्ष होने का शुभ समन्वय हुआ है। यह हम सबके लिए गर्व एवं आनंद की बात है।

डॉ. वाजा ने कहा कि सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमें राष्ट्रीय एकता की जो विरासत दी है, उसे आगे बढ़ाना है। हम सबसे बड़े लोकतंत्र का गौरव लेते हैं, जिसके मूल में सरदार पटेल द्वारा एक किए गए सभी रजवाड़ों की राष्ट्रीय एकता की विरासत है। सरदार की दूरदर्शिता एवं अथक प्रयास के कारण भारत अखंड राष्ट्र के रूप में उभरा है। हमें सरदार साहब के योगदान को सदा-सर्वदा याद रखना है।

उन्होंने कहा कि सरदार पटेल ने अपनी कुशलता, सूझ-बूझ तथा दृढ़ता से 562 देसी रजवाड़ों को एक कर ''एक एवं अखंड भारत' का निर्माण किया था। ऐसे महामानव को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व की सबसे ऊँची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी बनाकर सम्मान दिलाया। डॉ. वाजा ने जूनागढ की मुक्ति दिवस की शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर जूनागढ की नागरिक सेवाओं के प्रोजेक्ट के लिए जूनागढ के साधु-संतों ने 51 लाख रुपए का चेक मुख्यमंत्री को अर्पित किया। नागरिक सेवाओं में जन भागीदारी की इस पहल का सभी ने सहर्ष स्वागत कर आभार व्यक्त किया।

जिला कलेक्टर श्री अनिलकुमार राणावसिया ने जूनागढ मुक्ति दिवस पर आयोजित यूनिटी मार्च के अवसर पर सभी का स्वागत किया। उन्होंने बताया कि 8.6 किलोमीटर की इस पदयात्रा में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत', 'आत्मनिर्भर भारत', 'हर घर स्वदेशी' के मंत्र को चरितार्थ किया जा रहा है।

जूनागढ की यह पदयात्रा हजारों नागरिकों की उपस्थिति तथा राष्ट्रीय एकता के भाव के साथ अविस्मरणीय बनी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल भी बहाउद्दीन महाविद्यालय से पदयात्रा में जुड़े और उन्होंने यात्रा के रूट पर विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सांस्कृतिक प्लेटफॉर्म पर सभी का अभिवादन किया।

समग्र रूट पर 19 मंच बनाए गए थे और उन पर जूनागढ के इतिहास, सांस्कृतिक विरासत सहित विभिन्न कृतियाँ भी प्रस्तुत की गईं। जिला प्रशासन तथा जिला पुलिस प्रशासन ने समग्र रूट पर यातायात व्यवस्था एवं समन्वय कर इस विशाल पदयात्रा को सफल बनाया।

इस पदयात्रा में विधि एवं न्याय प्रशासन राज्य मंत्री श्री कौशिकभी वेकरिया, सांसद श्री राजेशभाई चुडासमा, महापौर श्री धर्मेशभाई पोशिया, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हरेशभाई ठुंमर, विधायक सर्वश्री संजयभाई कोरडिया, भगवानजीभाई करगठिया, देवाभाई मालम, अरविंद लाडाणी, महानगर पालिका आयुक्त श्री तेजस परमार, जिला विकास अधिकारी श्री एच. पी. पटेल, अग्रणी सर्वश्री गौरव रूपारेलिया, चंदूभाई मकवाणा, महंत श्री इंद्रभारती बापू, श्री महेशगिरी बापू, श्री नम्रमुनि महाराज सहित संत-महंत, पदाधिकारी-अधिकारी, विभिन्न समाज के लोग, शैक्षणिक संस्थाएँ, विभिन्न एसोसिएशन, आरजी हुकूमत के स्वतंत्रता सेनानियों के परिजन, वरिष्ठ नागरिक, युवा, पुलिस जवान, प्रबुद्ध नागरिक तथा जूनागढ के नगरजन बड़ी संख्या में सहभागी हुए।

# नीतीश का पॉवर शो! कहा गया 'बीमार', पर 84 रैलियां कर दिखाया दम, 11 सभाएं सड़क पर कीं

(जीएनएस)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 का दूसरा चरण भले ही प्रचार थमने के साथ शांत दिख रहा हो, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने

आखिरी वक्त तक अपने जोश और सक्रियता से विरोधियों की बोलती बंद कर दी। जिन पर आरोप था कि वे थक चुके हैं, बीमार हैं, उम्रदराज हैं और अब पहले जैसे फुतीर्ले नहीं रहे उन्होंने उसी मैदान में अपनी 84 जनसभाओं से ऐसा दम दिखाया कि पूरे सियासी गलियारे में चर्चा छा गई।

◆ 'बीमार' बताने वालों को नीतीश का चुनावी जवाब

नीतीश कुमार ने इस बार साबित कर दिया कि वे अब भी एनडीए के सबसे सक्रिय प्रचारक हैं। पूरे चुनाव अभियान के दौरान उन्होंने अब तक 84 जनसभाएं की हैं, जिनमें से 11 सड़क मार्ग से और 73 हवाई मार्ग से की गईं। उन्होंने करीब 1000 किलोमीटर सड़क यात्रा कर जनता के बीच पहुंचकर सीधे संवाद किया। उम्र और स्वास्थ्य पर उठे सवालों के बीच यह रफ्तार किसी "युवा नेता" से कम नहीं थी।

नीतीश कुमार के "पावर शो" ने साफ कर दिया है कि जो उन्हें बीमार कह रहे थे, उन्होंने शायद बिहार के इस मुख्यमंत्री का जज्बा नहीं देखा। सड़क से लेकर मंच तक, और भीड़ से लेकर भाषण तक नीतीश ने इस चुनाव में फिर साबित कर दिया है कि "पुराना खिलाड़ी" अब भी मैदान में सबसे फिट है।

◆ नीतीश की जनसभाओं में दिखा जनसैलाब

नीतीश की जनसभाएं औरंगाबाद, नवीनगर, चैनपुर और अमरपुर जैसे इलाकों में भी बड़ी भीड़ खींचने में कामयाब रहीं। उन्होंने हर मंच से यही संदेश दिया- बिहार ने "मोदी-नीतीश की जोड़ी" पर भरोसा किया है और यह भरोसा ही राज्य के विकास की गारंटी बनेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए की सरकार आने पर युवाओं, महिलाओं और किसानों के लिए नई योजनाओं की रफ्तार और तेज होगी।

चैनपुर के हाटा में उन्होंने जेडीयू के मो. जमा खान और भाजपा प्रत्याशी अशोक कुमार सिंह के पक्ष में वोट देने की अपील करते हुए कहा कि "अब वक्त है काम बोलने देने का, न कि अफवाहों का।"

◆ प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह का कैंपेन

अगर एनडीए कैंपेन की बात करें तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस चुनाव में अभूतपूर्व जोश दिखाया। वे सात बार बिहार आए और 14 चुनावी जनसभाओं को संबोधित किया। उनका प्रचार अभियान 24 अक्टूबर को जननायक कपूरी ठाकुर के गांव से शुरू हुआ और अंतिम सभा सीतामढ़ी व बेतिया में हुई।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 17 अक्टूबर से 8 नवंबर के बीच 33 से अधिक जनसभाएं कीं। वहीं, लोजपा (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान ने अब तक 85 रैलियां, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने 15 सभाएं की हैं।

◆ विपक्ष का प्रचार- तेजस्वी सबसे आगे

विपक्षी खेमे की बात करें तो राजद नेता तेजस्वी यादव इस बार सबसे ज्यादा 155 से 160 जनसभाओं के साथ सबसे सक्रिय प्रचारक साबित हुए हैं। कांग्रेस की ओर से राहुल गांधी ने 14, प्रियंका गांधी ने 13 और पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने चार जनसभाएं कीं।

◆ दूसरे चरण की वोटिंग- 122 सीटों पर मुकाबला

अब चुनाव प्रचार थम चुका है। दूसरे चरण में 20 जिलों की 122 सीटों पर 11 नवंबर को वोटिंग होगी। इस चरण में 1,302 उम्मीदवार मैदान में हैं, जिनमें 1,165 पुरुष, 136 महिलाएं और 1 थर्ड जेंडर उम्मीदवार शामिल हैं। इस बार कुल 3.7 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे, जिनमें औसतन हर बूथ पर करीब 815 वोटर वोट डालेंगे।

# दक्षिण अफ्रीका ने 417 का स्कोर चेज कर काटा बवाल, भारत को दी पटखनी, ध्रुव जुरेल के 2 शतक गए बेकार

(जीएनएस)।

दक्षिण अफ्रीका ने 417 रनों का लक्ष्य चेज करते हुए भारत को पटखनी दी है। भारत ए और दक्षिण अफ्रीका ए के बीच हुए इस मैच में धमाल देखने को मिला है। किसी ने उम्मीद नहीं की थी कि ऐसा भी हो सकता है। टेम्बा बवुमा के बल्ले से भी रन देखने को मिले हैं। बेंगलुरु में हुए इस दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने जीत दर्ज कर सीरीज 1-1 की बराबरी पर समाप्त कर दी।

भारत की तरफ से इस मैच के हीरो ध्रुव जुरेल रहे हैं। पहली पारी में उनके 132 रनों की बदौलत भारत ए की टीम 255 रनों के कुल स्कोर तक पहुँचने में सफल रही। दक्षिण अफ्रीका के लिए पहली पारी में टियान वेन वुरेन ने सर्वाधिक 4 विकेट अपने नाम किये।

इसके बाद दक्षिण अफ्रीकी टीम पहली पारी में खास नहीं कर पाई लेकिन उनके बल्लेबाज एकरमैन के बल्ले से शतकीय पारी देखने को मिली, वह 134 रन बनाकर आउट हुए। टीम 221 के कुल स्कोर पर आउट हो गई। भारत के लिए पहली पारी में प्रसिद्ध कृष्णा को सबसे ज्यादा 3 विकेट मिले।

इसके बाद दूसरी पारी में ध्रुव जुरेल का बल्ला फिर से चमका और उन्होंने एक और सैकड़ा जमा दिया। वह इस बार 127 के निजी स्कोर पर नाबाद लौटे। उनके अलावा हर्ष दुबे ने 84 और ऋषभ पंत ने 65 रनों की पारी खेली और भारत ने 382 रन बनाते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम को 417 सरनों का लक्ष्य दिया।

जवाब में खेलते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम ने सामूहिक रूप से प्रयास करते हुए 5 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर सीरीज बराबरी पर खत्म कर दी। दक्षिण अफ्रीकी टीम के लिए जॉर्डन हरमन ने 91 और सेनोकवाने ने 77 रनों की पारी खेली। उनके अलावा जबीर हमजा के बल्ले से 77 रनों की पारी आई। टेम्बा बवुमा भी कहां पीछे रहने वाले थे, उन्होंने 59 रन बनाए। उनके अलावा कोनर ईस्टरहुजेन ने 52 रन बनाए।

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले बवुमा के बल्ले से फिफ्टी आना एक अच्छा संकेत कहा जा सकता है। दक्षिण अफ्रीकी टीम भारत दौरे पर दो टेस्ट खेलेगी, जो वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप के अंतर्गत होंगे।

# उद्धव कितनी संपत्ति के हैं मालिक, केवल 'मातोश्री' की कीमत जान उड़ जाएंगे होश

(जीएनएस)।

पिछले 45 साल से महाराष्ट्र की राजनीति का केंद्र रहा मातोश्री एक बार फिर सुर्खियों में है। शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे द्वारा मुंबई के पॉश इलाके बांद्रा ईस्ट में निर्मित घर मातोश्री के बाहर रविवार को ड्रोन कैमरा उड़ता नजर आया। जिसके बाद उद्धव ठाकरे का परिवार दहशत में आ गया है। परिवार ने आरोप लगाया है कि ये ड्रोन उनकी घर की जासूसी करने के लिए लगाया गया है। हालांकि मुंबई पुलिस ने साफ कर दिया है कि ये ड्रोन उस एरिया का सर्वे कर रहा था।

इस ड्रोन के नजर आने के बाद ठाकरे परिवार के घर मातोश्री और उद्धव ठाकरे की संपत्ति के बारे में लोग सर्च कर रहे हैं। आइए जातने हैं मातोश्री की वर्तमान कीमत क्या होगी और उद्धव ठाकरे के पास इस करोड़ों के घर के अलावा कितनी संपत्ति है?

भले ही महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे विपक्ष के नेता है, लेकिन ठाकरे परिवार महाराष्ट्र की राजनीति

में दशकों से प्रभावशाली भूमिका निभाता रहा है। उद्धव ठाकरे का घर 'मातोश्री' मुंबई के बांद्रा में स्थित है। यह एक आलीशान बंगला है, जिसके अलावा ठाकरे कई अन्य रियल एस्टेट संपत्तियों के भी मालिक हैं।

उद्धव ठाकरे ने 2020 में महाराष्ट्र में विधान परिषद चुनाव के लिए नामांकन दाखिल किया था। इस दौरान उन्होंने अपनी संपत्ति का ब्योरा भी साझा किया था, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति सार्वजनिक हुई थी। उद्धव ठाकरे ने नामांकन भरते समय अपनी कुल संपत्ति लगभग 125 करोड़ रुपये घोषित की थी। पांच साल में उद्धव ठाकरे की संपत्ति में भारी इजाफा होने का अनुमान है।

उद्धव ठाकरे की संपत्ति में दो घर शामिल है जिसमें एक पैतृक निवास 'मातोश्री' और 'मातोश्री 2' है। इसके अलावा उद्धव ठाकरे के पास कर्जत में स्थित एक फार्महाउस भी है।

मातोश्री की क्या है कीमत?

बांद्रा में स्थित मातोश्री बंगला लंबे समय से राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। ठाकरे परिवार की राजनीतिक विरासत का एक अभिन्न अंग बन गया है। इसी के करीब 'मातोश्री 2' बंगला है, जो 10,000 वर्ग फुट के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है। इसमें तीन डुप्लेक्स फ्लैट शामिल हैं। इस शानदार संपत्ति में पांच बेडरूम, एक स्टडी रूम, होम थिएटर, स्विमिंग पूल, एक बड़ा जिम और एक छोटा सभागार जैसी अत्याधुनिक सुविधाएँ मौजूद हैं।

# 'मर जाऊंगी, मुझे पीट-पीटकर मार डालेगा, जांघें लाल', अमिताभ की हिरोइन ने 65 की उम्र में बेडरूम का दर्दनाक राज खोलने की हिम्मत जुटाई

1980 के दशक की चमकदार आंखों वाली सुपरस्टार एक्ट्रेस व अमिताभ बच्चन की हिरोइन ने अपनी जिदंगी का दर्दनाक राज आखिरकार कैमरे के सामने बयां कर ही दिया। यही वही एक्ट्रेस है, जिन्होंने 'एक दूजे के लिए', 'कुली', 'तवाइफ' और 'पासे' जैसी हिट फिल्मों से लाखों दिल जीते।

1985 में करियर के पीक पर उन्होंने सफल आर्किटेक्ट और बिजनेसमैन अनिल विरवानी से शादी की, फिल्में छोड़ दीं और एक 'आदर्श परिवार' बनाने का सपना देखा। लेकिन वर्ली के लग्जरी पेंटहाउस के बंद दरवाजों के पीछे दबा भयानक राज 'घरेलू हिंसा' का काला साया उजागर हो चुका है। अब, सालों बाद, रति ने खुलकर बताया कि कैसे वह हर रोज मौत के डर से जीती रहीं, कैसे एक दिन उन्होंने सोचा, 'मैं पीट-पीटकर मर जाऊंगी', और कैसे बेटे तनुज के प्यार ने उन्हें नई जिंदगी दी। यह कहानी सिर्फ एक स्टार की नहीं, बल्कि लाखों महिलाओं की चुप्पी की है। आइए जानते हैं...

रति अग्निहोत्री (जन्मः 10 दिसंबर 1960, बरेली, उत्तर प्रदेश) ने 9 फरवरी 1985 को अनिल विरवानी से शादी की। शुरू में सब कुछ परफेक्ट लगा, अनिल एक अमीर बिजनेसमैन थे, रति ने फिल्म इंडस्ट्री छोड़कर घर संभाला। 1986 में बेटा तनुज विरवानी का जन्म हुआ। लेकिन रति ने बाद में खुलासा किया कि शादी के शुरूआती सालों से ही दुर्व्यवहार शुरू हो गया था।

टाइम्स ऑफ इंडिया इंटरव्यू की एक रिपोर्ट के मुताबिक, रति अग्निहोत्री ने बताया, 'वो जानबूझकर उन हिस्सों पर मारते थे, जो कपड़ों से ढके रहते थे-पेट, पीठ, जांघें। ताकि बाहर कोई न देख सके। मैं मुस्कुराती रहती थी, लेकिन अंदर से टूट चुकी थी।' रति ने बताया, '30 साल तक चुप रहीं क्योंकि, शादी की पवित्रता में विश्वास था, मैं तलाक को पाप समझती थी। मेरी सबसे बड़ी प्राथमिकता मेरा बेटा था। मैं नहीं चाहती थी कि वह टूटे परिवार में बड़ा हो। वह प्रार्थना करतीं, इंतजार करतीं कि अनिल बदल जाएंगे। लेकिन, हिंसा बढ़ती गई।' रति ने एक इंटरव्यू में कहा, ' कई बार मैं खुद से कहती थी-अब मुस्कुराने की जरूरत नहीं। लेकिन मैं मुस्कुराती रही। क्योंकि बाहर की दुनिया को यही दिखाना था।'

साल 2015 में सब कुछ बदल गया। तनुज पुणे में फिल्म शूटिंग पर थे। अनिल का गुस्सा एक बार फिर भड़क उठा। रति ने बताया, 'मैंने खुद को लकड़ी के दरवाजे के पीछे छिपाया। मैं डर से कांप रही थी। मैंने सोचा-मैं 54 साल की हो चुकी हूँ। अब और कमजोर होती जाऊंगी। एक दिन वो मुझे पीट-पीटकर मार डालेंगे। यह टूटने का बिंदु था।'

एक हफ्ते बाद, 14 मार्च 2015 को रति अकेले वर्ली पुलिस स्टेशन पहुंचीं। अपनी मां अस्पताल में थीं, बहन पोलैंड में। किसी को बताए बिना, उन्होंने घरेलू हिंसा की औपचारिक शिकायत दर्ज की। उसी दिन उन्होंने वर्ली का पेंटहाउस छोड़ दिया और लोनावला के बंगले में चली गईं।

बेटे तनुज का साथः 'मां, जो तुम्हें खुशी दे, वही करो'

जब तनुज को पता चला, तो उन्होंने मां पर कोई दबाव नहीं डाला। बल्कि कहा,'मां, तुम जो चाहो करो। मैं तुम्हारे साथ हूं। कोई सवाल नहीं।' तनुज (अभिनेता, 'इनसाइड एज' फेम) ने मां को हिम्मत दी। रति ने कहा, 'उसकी शांत ताकत ने मुझे नई जिंदगी दी।' कहानी यहीं खत्म नहीं हुई। कुछ महीनों बाद सुलह की खबरें आईं। हैरानी की बात-जिस बेटे की वजह से रति 30 साल सहती रहीं, उसी तनुज ने माता-पिता को फिर से जोड़ा। तनुजा ने कहा, 'मेरे माता-पिता अलग नहीं हुए।

# ट्रैक्टर-ट्राली खंदक में पलटी, पानी में डूबने से दो की मौत

(जीएनएस)।

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गौंती मोड़ नहर पुल के पास रविवार की सुबह एक ट्रैक्टर-ट्राली अनियंत्रित होकर पानी भरे खंदक में जाकर पलट गई। इससे चालक सहित दो लोगों की डूबकर मौत हो गई।

थाना क्षेत्र के अफोई गांव निवासी महमूद की पुत्री का रिश्ता गांव के ही स्वर्गीय मोबीन के पुत्र हिफजान के साथ तय हुई। रविवार दोपहर 2 बजे शादी होनी थी। सुबह करीब 7 बजे दूल्हा के परिवार का चचेरा भाई मोहम्मद उजैर उर्फ टीपू (32) और दुल्हन के बुआ का लड़का सहबाज सिद्दीकी उर्फ फराज पुत्र सरफराज निवासी अहमदाबाद शादी समारोह का सामान लेने ट्रैक्टर से मोहम्मदपुर गौंती गांव गए थे। पुल पहुंचते ही ट्रैक्टर का बांया पहिया निकल गया। इससे अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर-ट्राली करीब 30 फिट नीचे पानी भरे खंदक में जाकर पलट गई, दोनों युवक इंजन के नीचे दबे रहे। हादसा देख मार्ग से निकल रहीं महिलाओं ने शोर मचाया। मोड़ पर मौजूद दो लोग मौके पर पहुंचकर पानी में कूद निकालने का प्रयास किया, लेकिन असफलता रही। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी के माध्यम से ट्रैक्टर-ट्राली को बाहर कराया। गंभीर हालत में दोनों को निजी साधन से इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। 15 दिन पहले उजैर सऊदी कमाकर घर आया था। घटना का कारण तेज रफ्तार होना बताया जा रहा है। घटना के बाद अब बरात नहीं जाएगी, केवल निकाह करा दिया जाएगा। एसआई राकेश कुमार ने बताया कि परिवार पोस्टमॉर्टम कराने से इंकार कर दिए, पंचनामा के बाद शवों को सुपुर्द कर दिया गया।

# लखनऊ में रेडीमेड गारमेट रॉयल ट्रेंड्स मेंस का हुआ भव्य उद्घाटन

### उद्घाटन में मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली और विधायक रविदास मल्होत्रा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए

लखनऊ` बदलते परिवेश और डिजाइनों की होड़ के बीच रेडीमेड कपड़ों का प्रचलन युवाओं में काफी तेजी से बढ़ रहा है, लखनऊ का दिल कहे जाने वाले हजरतगंज में खरीदारी का एक ऐसा ज़िला है जो शहर की जीवंत संस्कृति का सार समेटे हुए है, हजरतगंज में हर किसी के लिए कुछ न कुछ जरूर है ये चहल-पहल वाला इलाका, यहां खरीदारी और घूमने-फिरने के लिए आसानी से पहुँचा जा सकता है, इसी के चलते हजरतगंज स्थित प्रिंस मार्केट में रेडीमेड गारमेंड "रॉयल ट्रेंड्स मेंस" शोरूम का उद्घाटन हुआ।

इस अवसर पर ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के अध्यक्ष व ईदगाह इमाम मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली और मध्य क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के विधायक रविदास मल्होत्रा की मौजूदगी में शोरूम का उद्घाटन हुआ, उनकी उपस्थिति मुख्य अतिथि के रूप में हुई और रॉयल ट्रेंड्स मेंस" के शोरूम का शुभारंभ फीता काटकर किया गया, इस अवसर पर शहर की कई गणमान्य हस्तियां शामिल हुई, चूंकि रॉयल ट्रेंड्स मेंस को खुलवाने का मकसद एक पिता को अपने बेटे को नई ज़िम्मेदारियां देने का अनमोल तोहफा था, आपको बता दे कि समाचार 24 के ब्यूरो इकबाल अहमद ने अपने बेटे तैय्यब इकबाल को रॉयल ट्रेंड्स मेंस शोरूम खुलवाकर एक बड़ी जिम्मेदारी के तहत आत्मनिर्भर बनाने की पहल की है`

वहीं इस खास मौके पर मौलाना खालिद रशीद फिरंगी महली ने इस नए कारोबार की तरक्की के लिए मुबारकबाद पेश करते हुए दुवाएं दी और कहा कि कारोबार ईमानदारी और सच्चाई के साथ करने वालों को अल्लाह पसंद करता है और ये कारोबार की तरक्की का सबब बन सकता है।

तो वहीं इस मौके पर विधायक रविदास मल्होत्रा ने तैय्यब इकबाल को बधाई देते हुए कहा कि शोरूम में फैंसी एवं ब्रांडेड वस्त्र उचित मूल्य पर उपलब्ध रहेंगे, जिससे स्थानीय निवासियों को सुविधा होगी, साथ ही उन्होंने बेहतर संचालन और व्यापार की तरक्की के लिए तय्यब इकबाल को शुभकामनाएं प्रदान की और ग्राहकों के बीच मधुर सम्बन्ध बनाते हुए उनकी पसंद के अनुरूप बेहतर सेवा देने की अपील की, इकबाल अहमद के आ'हन पर रॉयल ट्रेंड्स मेंस के उदघाटन में शहर के पत्रकारों ने उद्घाटन समारोह में पहुंचकर मुख्य भूमिका निभाई, उद्घाटन के पहले ही दिन शोरूम में ग्राहकों की अच्छी खासी भीड़ देखने को मिली, शोरूम के कलेक्शन को देखकर आने वाले ग्राहकों ने काफी प्रशंसा की, शोरूम में फैंसी और ब्रांडेड वस्त्र उचित मूल्य पर उपलब्ध हैं।

# श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा जनेश्वर पार्क में आयोजित होगा दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव

### – हम एक बनें, हम नेक बनें का दिया जाएगा संदेश
### – गीता ज्ञान से जुड़ेगा जन-जन, फैलेगा सकारात्मकता और प्रेरणा का संदेश

लखनऊ, 9 नवम्बर 2025:

भगवद्गीता के जीवनपरक संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के उद्देश्य से पूज्य गीता मनीषी स्वामी श्री ज्ञानानंद जी महाराज की सत्प्रेरणा से ह्यश्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार, उत्तर प्रदेशह्न की ओर से राजधानी लखनऊ के जनेश्वर मिश्र पार्क में 23 नवम्बर 2025 को 11:30 से 03:00 बजे तक ह्यदिव्य गीता प्रेरणा उत्सवह्न का आयोजन किया जाएगा। जहां मा. सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत जी की गरिमामयी उपस्थिति होगी। साथ ही उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री मा. योगी आदित्यनाथ जी भी शामिल होंगे।

इसी क्रम में संस्था द्वारा रविवार को आयोजित प्रेस वार्ता में आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा, उद्देश्य और देश-दुनिया में ह्यजीओ गीताह्न अभियान की बढ़ती व्यापकता पर विस्तार से चर्चा हुई।

प्रेस कांफ्रेंस में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार" के जनरल सेक्रेट्री श्री प्रदीप मित्तल और उत्तर प्रदेश संयोजक श्री मणि प्रसाद मिश्र (से.नि. आईएएस) के साथ अन्य प्रतिनिधि उपस्थित रहे। वक्ताओं ने

संस्था की अब तक की यात्राओं, व गीता संदेश को जन-जन तक पहुँचाने के राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों तथा 23 नवम्बर को होने वाले प्रेरणा उत्सव की प्रमुख भागों पर प्रकाश डाला।

वक्ताओं ने बताया, "ह्यजीओ गीताह्न का उद्देश्य केवल एक धार्मिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में गीता के सार को उतारने का अभियान है।" उन्होंने कहा, 'गीता केवल ग्रंथ नहीं, बल्कि जीवन का विज्ञान है। यह बच्चों में संस्कार, युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा, परिवारों में प्रेम और समाज में समरसता लाती है।'

उन्होंने आगे बताया कि यह आयोजन 2026 गीता जयंती की दिशा में एक प्रेरणादायी पड़ाव है। संस्था चाहती है कि हर व्यक्ति गीता को जाने, समझे और अपने जीवन में उतारे। इसी भाव के साथ ह्यजीओ गीताह्न परिवार का नारा है, 'हम एक बनें, हम नेक बनें।'

23 नवम्बर को जनेश्वर मिश्र पार्क (गेट नं. 6, गोमती नगर विस्तार, लखनऊ) में होने वाले दिव्य गीता प्रेरणा उत्सव में राष्ट्र के प्रमुख संतों का आशीर्वाद, विशिष्ट गीता पाठ, प्रेरणादायक प्रवचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां होंगी। उन्होंने कहा कि समाज में नैतिकता, सद्भाव और सकारात्मक सोच का प्रसार ही गीता का वास्तविक संदेश है।

वक्ताओं ने मीडिया और समाज से अपील की कि वे इस अभियान से जुड़ें और 'हर क्षेत्र में पहुंचे गीता ज्ञान' के संदेश को आगे बढ़ाएं।

जीओ गीता का यह संदेश
गीतामय हो उत्तर प्रदेश,
समरस संस्कारित उत्तर प्रदेश
घर-घर पहुंचे गीता संदेश।

# पर्यावरण संरक्षण के प्रति समर्पित प्रहरी समागम में ओमप्रकाश कुशवाहा हुए सम्मानित

(जीएनएस)।

संस्कृति, कला, साहित्य, शिक्षा और पौराणिक परंपराओं का संगम कहे जाने वाले प्रयागराज के जिला पंचायत सभागार में अर्चिशा फाउंडेशन द्वारा आयोजित 'प्रहरी समागम' कार्यक्रम सफलता पूर्वक संपन्न हुआ। यह आयोजन पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक चेतना के प्रति समर्पित रहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय के वरिष्ठ न्यायमूर्ति श्री सिद्धार्थ वर्मा जी ने की, जिन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि—

> 'पर्यावरण की रक्षा मात्र एक कर्तव्य नहीं, बल्कि मानव अस्तित्व की सुरक्षा का आधार है।'

इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में समाजोपयोगी योगदान देने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में उत्तर प्रदेश विधानसभा के अनु सचिव श्री ओमप्रकाश कुशवाहा को 'पर्यावरण प्रहरी सम्मान' से सम्मानित किया गया।

सम्मान ग्रहण करते हुए श्री कुशवाहा ने कहा—

> 'पर्यावरण संरक्षण एक जीवनशैली बननी चाहिए, तभी आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित पृथ्वी संभव है।'

कार्यक्रम में अनेक विद्वानों, साहित्यकारों और पर्यावरण कार्यकताओं ने भाग लिया। वक्ताओं ने जल, वृक्ष और वायु संरक्षण को लेकर सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता पर बल दिया।

अर्चिशा फाउंडेशन की अध्यक्षा डॉ. अर्चना सिंह ने संस्था की गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत करते हुए बताया कि फाउंडेशन द्वारा वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, और विद्यालयों में पर्यावरण जागरूकता कार्यशालाएं निरंतर संचालित की जा रही हैं।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ कवि डॉ. विवेक मिश्र ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन फाउंडेशन के सचिव श्री राकेश शुक्ला द्वारा किया गया।

यह कार्यक्रम प्रयागराज की सांस्कृतिक चेतना और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के समन्वय का प्रतीक बना।

# सैदापुर चक में किसानों का आक्रोश तेज, मुख्यमंत्री आवास के लिए होगा कूच

- भाकियू लोकतांत्रिक के बैनर तले जारी है अनिश्चितकालीन धरना
- मलिहाबाद तहसील प्रशासन पर किसानों को धमकाने का आरोप

मलिहाबाद, लखनऊ। भाकियू लोकतांत्रिक संगठन के नेतृत्व में ग्राम पंचायत सैदापुर चक में पिछले 65 दिनों से जारी अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन के बीच किसानों का आंदोलन अब और तेज होने जा रहा है। संगठन ने 10 नवंबर 2025 को जिला अधिकारी कार्यालय लखनऊ पर होने वाला धरना प्रदर्शन फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। संगठन ने घोषणा की है कि 18 नवंबर को सैदापुर चक से किसान मुख्यमंत्री आवास के लिए कूच करेंगे, जहां मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सीधे मिलकर समस्या रखी जाएगी।

इस बीच 08 नवंबर को मलिहाबाद तहसील प्रशासन भारी पुलिस बल के साथ बिना पूर्व सूचना के धरना स्थल पर पहुंचा। किसानों का आरोप है कि प्रशासन नाप (मापन) के नाम पर दबाव बनाकर धरना खत्म कराने और ग्रामीणों को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहा था।

भाकियू लोकतांत्रिक के जिला अध्यक्ष अतुल कुमार को तहसीलदार द्वारा फोन पर नाप कराने की जानकारी दी गई, जिस पर उन्होंने कहा कि सूचना पहले दी जाती तो राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री राकेश सिंह चौहान को इस प्रकरण को स्वयं देखने के लिए अवगत कराया जा सकता था।

किसानों का कहना है कि प्रशासन द्वारा की जाने वाली यह नाप पहले की जा चुकी दो अलग-अलग नापों से बिल्कुल भिन्न बताई जा रही है। ग्रामीणों और किसानों ने संगठन पदाधिकारियों की उपस्थिति में सरहद से नाप कराने की मांग रखी, जिस पर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा अभद्र भाषा का प्रयोग और दबाव डाले जाने के आरोप लगाए गये हैं।

किसानों की प्रमुख मांग है कि खसरा संख्या 417 की जमीन की स्थिति स्पष्ट की जाए। पहले लेखपाल और वर्तमान लेखपाल की नाप में अंतर क्यों आ रहा है, इसकी जांच हो और दोषी लेखपालों पर कार्रवाई की जाए।

यदि यह ग्राम पंचायत की भूमि नहीं थी, तो किसान दिनेश रावत पर धारा 267 की कार्यवाही क्यों की गई। नाप ग्रामीणों एवं संगठन पदाधिकारियों की मौजूदगी में ही कराई जाए।

किसानों का कहना है कि खसरा संख्या 417 पर ग्रामीण वर्षों से शौचालय, मड़ैया तथा पशुओं के बाड़े बनाए हुए हैं, जिसके पूर्वी दिशा में शत्रु संपत्ति बताई जाती है।

संगठन ने स्पष्ट किया है कि यह विवाद केवल सैदापुर चक तक सीमित नहीं है, बल्कि नबीपनाह सहित कम से कम तीन अन्य गांवों में भी इसी तरह की नाप-जोख विवाद की शिकायतें सामने आ रही हैं।

संगठन ने कहा है कि सैदापुर चक के किसानों को हर हाल में न्याय दिलाया जाएगा। चाहे आंदोलन को किसी भी स्तर तक क्यों न ले जाना पड़े।

# ससुरालियों पर मारपीट और गाली-गलौज के आरोप, पीड़ित महिला ने थाने में लगाई गुहार

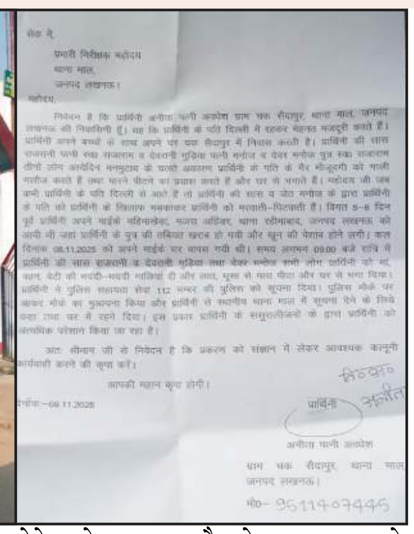

माल, लखनऊ। थाना क्षेत्र माल के ग्राम सैदापुर चक की एक महिला ने ससुरालियों पर मारपीट, गाली-गलौज और घर से भगाने का आरोप लगाते हुए थाना माल में शिकायत की है। पीड़िता अनीता पत्नी अवधेश का कहना है कि उसका पति दिल्ली में मजदूरी करता है, जबकि वह अपने बच्चों के साथ गांव में रहती है। इसी दौरान सास, देवर और देवरानी द्वारा आए दिन उसके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।

पीड़िता ने थाना प्रभारी को दिए प्रार्थना पत्र में आरोप लगाया है कि उसकी सास राजरानी, देवरानी गुड़िया और देवर मनोज उसे अक्सर पति की गैर मौजूदगी में गाली-गलौज करते हैं और मारपीट कर घर से निकाल देने की कोशिश करते हैं। पीड़िता का कहना है कि जब उसका पति दिल्ली से घर आता है, तो ससुराल पक्ष के लोग उसे भड़काकर उससे भी मारपीट करवाते हैं।

महिला ने बताया कि कुछ दिन पूर्व अपने मायके महिमाखेड़ा गई थी, जहां उसके बच्चे की तबीयत खराब हो गयी। 8 नवंबर की रात जब वह वापस ससुराल आई तो आरोपितों ने फिर से उसे भद्दी-भद्दी गालियां दीं और लात-घूंसों से पीटा। जिसके बाद उसने डायल 112 पर पुलिस सहायता मांगी। पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति का जायजा लेते हुए उसे थाने पर सूचना देने के लिए कहा।

पीड़िता ने पुलिस से ससुराल पक्ष के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है। फिलहाल पुलिस तहरीर के आधार पर मामले की जांच में जुटी हुई है।

# 6 दिसंबर बाबा साहब अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम अखिलेश यादव होंगे शामिल- मिठाई लाल भारती

लखनऊ /आज दिनांक 9 नवम्बर को समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी राष्ट्रीय कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक लखनऊ के दारुल शफा ए ब्लॉक के कामन हाल में सम्पन्न हुई ! राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारियों की बैठक सपा अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मिठाई लाल भारती ने लिया !

जिसमें संविधान निमार्ता परम पूज्य बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर की परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर 6 दिसंबर के कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई !

जिसमें समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व पूर्व मुख्यमंत्री पीडीए के जननायक माननीय श्री अखिलेश यादव जी परिनिर्वाण दिवस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि होंगे !

जो लखनऊ के इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में 6 दिसंबर को होगा ! समाजवादी पार्टी बाबा साहेब आंबेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मिठाई लाल भारती के अगुवाई में होगा !

बैठक में अम्बेडकर वाहिनी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी शामिल हुए ! इन सभी पदाधिकारी को 6 दिसंबर बाबा साहब अम्बेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम करने की रूपरेखा तैयार की गई !

इस बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मिठाई लाल भारती ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर के हम लोगों को तैयारी युद्ध स्तर पर करनी है ! श्री भारती ने कहा कि कुछ दलित हितैषी होने का दम भरने वाली पाटीर्या जो भाजपा को अप्रत्यक्ष रूप से मदद कर रही है ! जो कि बहुजन समाज के लोग अच्छी तरह समझ रहे हैं ! बहुजन समाज उनकी कही गई बातों पर ध्यान न देखकर समाजवादी पार्टी के मुखिया श्री अखिलेश यादव जी के हाथों को मजबूत करने का काम करेंगे ! वहीं समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव बाबा साहब के संविधान को बचाने व दलित पिछड़ों के हक अधिकार व सम्मान के लिए लगातार लड़ाई लड़ रहे हैं ! दूसरी तरफ कुछ दलित समाज के नेता अप्रत्यक्ष रूप से भाजपा की मदद कर रहे हैं ! दलित समाज के लोग भाजपा को हटाने के लिए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष

माननीय अखिलेश यादव जी के नेतृत्व में 2027 में सरकार बनाएंगे ! जिस तरह से 2024 के लोकसभा चुनाव में दलित समाज के लोग समाजवादी पार्टी का साथ दिया, जिसके कारण समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में नंबर वन की पार्टी बनी ! ठीक उसी तरह 2027 में भी दलित समाज के लोग समाजवादी पार्टी की मदद करके भारतीय जनता पार्टी की धूमधाम से विदाई करेंगे ! इस बैठक में विधायक बृजेश कठेरिया विधायक गौरव रावत ने अम्बेडकर वाहिनी के पदाधिकारियो का हौसला अफजाई किया और कहा कि हम बाबा साहब के परिनिर्वाण दिवस पर कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेंगे तथा तन मन धन के साथ सहयोग करेंगे ! कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव सत्य प्रकाश सोनकर ने की !

बैठक में श्री गौरव रावत विधायक, बृजेश कठेरिया विधायक, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तरुण रावत, रामबाबू सुदर्शन, किरन वर्मा, राजू पासी, सुधीर गौतम, सत्येंद्र कुमार पानू, राकेश रंजन, पूजा गौतम, राजेश भारतीय, मेराज अहमद, एमपी सिंह जाटव , राकेश बाबू वाल्मीकि, सर्वेश अंबेडकर, डॉक्टर हरविंदर बाराची प्रसाद डॉ अतेंद्र कुमार जसवंत सिंह जाटव सत्येश गौतम, विनायक सोनकर , श्रवण पटेल , मानसिंह पटेल रणवीर सिंह जाटव , सुमन दिवाकर , डॉक्टर जितेंद्र कुमार , मनीष कुरील , विजय कुमार जाटव , ममता रावत पार्षद , आशा रावत पार्षद , सनी रावत, गौतम रावत पार्षद , सीमा देश प्रेमी, डा.अयोध्या प्रसाद रावत सोनू भारती गिहार, भारी संख्या में लोग मौजूद रहे

# शमशान की जमीन पर कब्जा करने का आरोप, शिकायत

(जीएनएस)।

खखरेरू। धाता विकास खंड के घरवासीपुर गांव के ग्राम प्रधान ने शमशान की जमीन पर दबंगों पर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए एसडीएम से शिकायत की है।

ग्राम प्रधान पंकज सिंह पटेल ने उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि 2024 गांव में शमशान के नाम पर जमीन आवंटित हुई थी। उक्त जमीन पर गांव का ही एक दबंग किस्म का व्यक्ति कब्जा कर रखा। राजस्व द्वारा कार्रवाई की गई तथा जमीन को कब्जा मुक्त कराया गया और गांव के भूपेंद्र सिंह, राकेश सिंह, विनोद प्रसाद सिंह, नीरज सिंह, राम सूरत सिंह, यसवंत सिंह सहित अन्य के हस्ताक्षर कराकर ग्राम प्रधान को सुपुर्दगी में दिया गया था। रविवार को उक्त जमीन को ट्रैक्टर से जुताई कराकर कब्जा कर लिया। एसडीएम अभिनीत सिंह ने बताया कि टीम भेजकर जांच करके भूमि को कब्जामुक्त कराया जाएगा।